



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17]

No. 17]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 7, 1978/पौष 17, 1899

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 7, 1978/PAUSA 17, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1978

सीमा-शुल्क

सा० का० नि० 21(अ)—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में आवश्यक है, पचास हजार रुपए मूल्य से अधिक मूल्य तक के ऐसे चिकित्सीय शल्य चिकित्सीय या निदानार्थ उपस्करों को, जब उनका, भारत में स्थायी रूप से ब्रम जाले के लिए विदेश में लौटने वाले किसी शल्य चिकित्सक या डाक्टर द्वारा, एक या एक से अधिक पारेशन में, भारत में निर्यात किया जाए, और जो उक्त शल्य चिकित्सक या डाक्टर के व्यवसाय को चलाने के लिए आवश्यक हो, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के अधीन ऐसे उपस्कर पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमा-शुल्क से और उक्त सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क से, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात्—

- (1) यह कि शल्य चिकित्सक या डाक्टर कम से कम तीन वर्ष तक विदेश में रहा है;
- (2) यह कि उपस्कर कम से कम छह मास की अवधि तक विदेश में उसके पास रहा है और उसके प्रयोग में आया है;
- (3) यह कि निकासी के समय महायक सीमाशुल्क कलक्टर को यह वचन दिया जाए कि—
(क) उपस्कर उसके अपने व्यावसायिक प्रयोग के लिए आशायित है;

(ख) उपस्कर, निर्यात की तारीख से तीन वर्ष के भीतर न तो बेचा जाएगा, न बित्तिय किया जाएगा और न अन्यथा व्ययन किया जाएगा;

(ग) एक पारेशन या एक से अधिक पारेशनों में इस प्रकार आयात किए गए उपस्कर का मूल्य, इस अनुसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट पचास हजार रुपए की सीमा से अधिक नहीं है; और

(घ) यदि शर्त (3) के खण्ड (ख) के उपबन्धों का उल्लंघन किया जाएगा तो उसे ऐसा शुल्क देना होगा, जो, यदि उसमें दी गई छूट न होती तो, उस पर उद्ग्रहणीय होता।

[सं० 13 का० सं० 460/137/77-मि० नं०-5]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 7th January, 1978

CUSTOMS

G.S.R. 21(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts such medical, surgical and diagnostic equipment upto a value not exceeding fifty thousand rupees, when imported into India, whether in one consignment or in more than one consignment, by a surgeon or a doctor returning from abroad for permanent settlement in India, as are necessary for carrying on the profession of the said surgeon or doctor, from the whole of the duty of customs leviable on such equipment under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and

the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act, subject to the following conditions, namely :—

- (i) that the surgeon or the doctor has stayed abroad for a minimum period of three years;
- (ii) that the equipment has been in his possession and use abroad for a minimum period of six months;
- (iii) that an undertaking is given to the Assistant Collector of Customs at the time of clearance—
 - (a) that the equipment is intended for his own professional use;
 - (b) that the equipment will not be sold, exchanged or otherwise disposed of within three years from the date of importation of the said equipment;
 - (c) that the value of the equipment so imported, whether in one consignment, or in more than one consignment, does not exceed the limit of fifty thousand rupees as specified in this notification; and
 - (d) that where the provisions of clause (b) of condition (iii) are contravened, he shall pay the duty which would have been leviable on such equipment but for the exemption contained herein.

[No. 13/F. No. 460/137/77-Cus. V]

सांकांति 22(अ) .—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1977 (1977 का 11) की धारा 3 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह

समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के राजस्व और वैकिंग विभाग (राजस्व पक्ष) को अधिसूचना संख्या 123-सीमा-शुल्क, तारीख 1 जुलाई, 1977 से निम्नलिखित और संशोधन करता है, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में क्रम संख्या 167 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“168 सं० 13 सीमा-शुल्क, तारीख 7-1-1978”

[सं० 14 फा०सं० 460/137/77-सीमा-शुल्क-5]

ए० के० सरकार, अवर सचिव

G.S.R. 22(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 3 of the Finance Act, 1977 (11 of 1977) the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking (Revenue Wing) No. 123-Customs, dated the 1st July, 1977, namely :—

In the Schedule annexed to the said notification after Serial No. 167 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

“168 No. 13 Customs, dated 7th January, 1978”

[No. 14/F. No. 460/137/77-Cus. V]

A. K. SARKAR, Under Secy.